Raj Express (Indore), 30th April 2026, Page – 13

एनआईआरएफ रैंकिंग में नए आईआईटी में दूसरे स्थान पर शहर का संस्थान

अवसर: आईआईटी इंदौर में बढ़ी 80 सीटें, अब 12 यूजी प्रोग्राम में प्रत्येक में 1-1 खेल कोटा सीट भी

● इंदौर/ पीयूष मौर्य

आईआईटी इंदौर न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश के छात्रों के लिए एक बड़ा अवसर माना जा रहा है। नई पीढ़ी के लिए ऐसे पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं जो केवल डिग्री तक सीमित न होकर उन्हें वैश्विक चुनौतियों के समाधानकर्ता के रूप में तैयार करें। दरअसल आईआईटी इंदौर ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अपने यूजी कार्यक्रमों में बड़ा विस्तार किया है। इस साल संस्थान ने तीन नए यूजी प्रोग्राम शुरु किए हैं, जिसके साथ कुल यूजी कोर्स की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। साथ ही सीटों की संख्या में भी खास वृद्धि की गई हैं। अब 576 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा, जबकि पिछले वर्ष तक यह संख्या 496 थी। इसके अलावा 12 यूजी प्रोग्राम में प्रत्येक में 1-1 खेल कोटा सीट भी उपलब्ध करवाई गई हैं।

केवल सीटें बढ़ाने तक सीमित नहीं है विस्तार: प्रबंधन के अनुसार यह

विस्तार केवल सीटें बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य भविष्य की जरुरतों के अनुरुप शिक्षा को अधिक बहुआयामी और उद्योगोन्मुख बनाना है। नए शुरु किए यूजी कार्यक्रम में बीटेक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एवं डेटा साइंस, बीटेक एनवायरमेंटल इकोनॉमिक्स एवं सस्टेनेबल इंजीनियरिंग और बी.एस. एप्लाइड एवं इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री शामिल है।

स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य के लिए करेंगे तैयार

प्रबंधन के अनुसार नए पाठ्यक्रमों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि छात्र पारंपरिक इंजीनियरिंग शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों और उभरते क्षेत्रों की समझ विकसित कर सकें। बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एवं डेटा साइंस में छात्रों को स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य के लिए तैयार किया जाएगा, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स और इंजीनियरिंग का समन्वय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स एवं सस्टेनेबल इंजीनियरिंग छात्रों को पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान के लिए इंजीनियरिंग और आर्थिक सिद्धांतों का संयुक्त दृष्टिकोण प्रदान करेगा। बी.एस. एप्लाइड एवं इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री कोर साइंस को एआई/एमएल, मॉलिक्यूलर इलेक्ट्रॉनिक्स और एनर्जी सिस्टम्स जैसे क्षेत्रों से जोड़ेगा।

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी से सीधी बात

प्रश्न: नए सत्र के लिए क्या योजनाएं हैं? इस वर्ष कितनी सीटें हैं और कितने कोर्स यूजी में हैं?

उत्तर: शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए, आईआईटी इंदौर कुल 13 यूजी प्रोग्राम ऑफर कर रहा है, जिनमें 576 सीटें उपलब्ध हैं। इसके अलावा 12 यूजी प्रोग्राम में प्रत्येक में 1-1 खेल कोटा सीट भी उपलब्ध है। तीन नए यूजी प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं इसमें बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एवं डेटा साइंस, एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स एवं सस्टेनेबल इंजीनियरिंग व एप्लाइड एवं इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री शामिल हैं। संस्थान ने अपनी प्रवेश क्षमता में 80 सीटों की वृद्धि की है, जिससे कुल सीटों की संख्या 496 से

बढ़ाकर 576 हो गई है। इसके अलावा, 12 यूजी प्रोग्राम में प्रत्येक में 1-1 खेल कोटा सीट भी उपलब्ध है।

प्रश्न: इस बार ओपनिंग रैंक क्या हो सकती है?

उत्तर: 2025-26 सत्र के लिए ओपनिंग रैंक 952 थी, इसलिए आने वाले सत्र के लिए ओपनिंग रैंक में सुधार की उम्मीद है। ऐसा नए यूजी प्रोग्राम की शुरुआत के कारण हुआ है, जिनसे शैक्षणिक विविधता में वृद्धि होने की अपेक्षा है व उच्च रैंक वाले और अंतःविषय दृष्टिकोण रखने वाले छात्रों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी।

प्रश्न: नए आईआईटी संस्थानों में इंदौर की क्या स्थिति है और हम बेहतर क्यों हैं?

उत्तर: आईआईटी इंदौर वर्तमान में एनआईआरएफ रैंकिंग में नए आईआईटी में दूसरे स्थान पर है। हमारा संस्थान अपनी शिक्षण, अध्ययन और संसाधनों पर दृढ़तापूर्वक ध्यान देने के लिए विशेष रूप से जाना जाता है, जिसे यूजी प्रोग्राम के निरंतर उन्नयन, बढ़ते शोध अवसरों और सुदृढ़ तकनीकी अवसंरचना का समर्थन प्राप्त है। सीजीएस एडवांस रिसर्च कॉम्प्लेक्स, मेकरस्पेस प्रयोगशाला, एग्रीहब-उत्कृष्ट केंद्र और अन्य उन्नत प्रयोगशालाओं जैसी सुविधाएं छात्रों को अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और प्रायोगिक अध्ययनों का सुअवसर प्रदान करती हैं, जिससे नवाचार-संचालित शैक्षणिक परिवेश को बढ़ावा मिलता है। संस्थान अपने दूरदर्शी नए यूजी प्रोग्राम के कारण भी विशिष्ट पहचान रखता है। एप्लाइड एवं इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री में बी.एस. प्रोग्राम, कोर साइंस को एआई/एमएल, मॉलिक्यूलर इलेक्ट्रॉनिक्स और एनर्जी सिस्टम्स जैसे उभरते क्षेत्रों के साथ जोड़ेगा। बी.टेक एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स एवं सस्टेनेबल इंजीनियरिंग में छात्रों को इंजीनियरिंग और आर्थिक सिद्धांतों के मिश्रण के माध्यम से स्थिरता से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए तैयार किया जाएगा। इसके अलावा, बी.टेक. बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एवं डेटा साइंस में छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा एनालिटिक्स के साथ इंजीनियरिंग को मिलाकर स्वास्थ्य सेवा के भविष्य के लिए तैयार किया जाएगा। यह शैक्षणिक नवाचार, आधुनिक शिक्षाशास्त्र और उन्नत बुनियादी ढांचे के साथ मिलकर, आईआईटी इंदौर को नए आईआईटी के बीच एक अग्रणी विकल्प के रूप में स्थापित करते हैं।